पंजीयन सं. 257 सन् 1956–57 ।। ओ३म् ।। राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त एवं पंजीकृत

मातृ सेवा सदन बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय

आर्य समाज रोड़, रामपुरा, कोटा–6

क्रमांक..... दिनांक.....

क्रान्तिकारी भगत सिंह जयन्ती मनाई

आर्य समाज रामपुरा कोटा द्वारा संचालित मातृ सेवा सदन एवम् बाल भारती आर्य शिशु शाला बालिका विद्यालय मे 28 सितम्बर को क्रांन्तिकारी भगत सिंह जयन्ती बडी धूम धाम से मनाई गई। इस अवसर पर आर्य समाज के मन्त्री एवम् मातृ सेवा सदन बलिका विद्यालय के व्यवस्थपक डी.पी. मिश्रा ने सैकडों छात्र/छात्राओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि शहीद भगत सिहं ने स्वामी दयानन्द सरस्वती द्वारा लिखित सत्यार्थ प्रकाश को पढ़कर अपना सारा जीवन देश की आजादी मे लगा दिया। उन्होने सत्यार्थ प्रकाश को कई बार पढ़ा और अग्रेजो को भगाने का संकल्प लिया। वह 14 वर्ष की आयु मे राष्ट्रीय आन्दोलन से जुड गए। भगत सिंह व्यक्तिगत आतंकवाद की जगह जन क्रान्ति मे विश्वास करते थें । मगर लाला लाजपतराय की हत्या ने उन्हे व्यक्तिगत आतंकवाद का रास्ता अपनाने को मजबूर कर दिया। 30 अक्टूबर 1928 को लाहौर मे साइमन कमीशन के विरोध प्रदर्शन के दौरान लाला लाजपतराय पर लाठियां बरसाई गई गंभीर चोटो के कारण 17 नवम्बर को उनकी मृत्यु हो गई। लाला जी की मृत्यु के बाद 17 दिसम्बर को भगत सिहं ने सुखदेव व चन्द्रशेखर आजाद के साथ मिल कर लाला जी पर लाठी चार्ज करने वालो मे से एक पुलिस अधिकारी सांडर्स की हत्या कर दी। जनता के भारी विरोध के बावजुद जब 8 अप्रैल 1929 को केन्द्रीय विधान सभा मे पब्लिक सेफ्टि बिल व ट्रेड डिस्प्युटस बिल पारित हो रहे थे उस समय बटुक्केश्वर दत्त के साथ भगत सिंह ने खाली कुर्सियो पर बम फेके व साथ मे कुछ पर्चे भी जिन पर लिखा था – बहरो को सुनाने के लिए धमाको की आवश्यकता पडती है वो चाहते तो इस कारनामे को अंजाम देकर भाग सकते थे मगर दो बात ऐसी थी जिनके कारण उन्होने आत्मसर्मपण करना बेहतर समझा पहली बात यह कि जनता सोचेगी कि क्रान्तीकारी अपना कार्य को अंजाम देकर भाग जाते है। परिणाम आम जनता को भुगतना पड़ता है भगत सिहं जनता को इस मनोवृति से मुक्त करना चाहते थे । दूसरी बात वो जानते थे कि मुकद्दमे की सुनवाई के दौरान उनके द्वारा दिया गया वक्तव्य समाचार पत्रो में छपेगें जिससे अगर एक भगत सिंह का अंत होगा तो हजारो भगत सिहं तैयार होगें। आर्य पारेवार संस्था के मन्त्री श्री इन्द्र कुमार सक्सेना पूर्णिमा सत्संग समिति के प्रधान श्री राजेन्द्र सक्सेना आर्य समाज भीमगंज मण्डी के पूर्व मन्त्री श्री राजेन्द्र आर्य ने भी भगत सिंह के जीवन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घटनाओ को सुनाया एवम् विद्यालय के छात्रो ने भगत सिहं के जीवन पर आधारित एक नाट्य रूपान्तरण भी प्रस्तुत किया जिसको दर्शको ने खूब सराहा। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मृदुला सक्सेना ने किया। अंत मे शांति पाठ के पश्चात कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

प्रधान
श्रीमती पुष्पा भूतिया